

# NITI Aayog Recognition of Rajasthan's School Education Innovations



Rajasthan's School Education reforms have been recognized under the Good State Practices of NITI Aayog's latest report titled "School Education System in India: Temporal Analysis and Policy Roadmap for Quality Enhancement". These initiatives are a reflection of the state's own efforts to integrate education, health monitoring, nutrition, fitness and technology for enhancing learning outcomes. The state of Rajasthan under the leadership of Chief Minister Bhajanlal Sharma is becoming a big model for reform of the school education system in the spirit of innovation.

**Rajasthan's School Education Innovations is a key focus area of the state's education.**

- NITI Aayog has declared Rajasthan's Shala Swasthya Parikshan Abhiyan as good state practice.
- This is an initiative to address the health screening, nutrition, fitness and regular health monitoring of students.
- Over 75 Lakhs of students were screened on more than 70 health parameters.
- Screening was conducted on the following: vision, hearing, nutrition level, dental health and physical fitness.

- A system based on mobile apps has also been developed for more effective follow-up.
- The programme aligns with the vision of the National Education Policy 2020 that focuses on the integration of health and nutrition to education.

## AI-Based Assessment under Chief Minister Shikshit Rajasthan Abhiyan

- NITI Aayog also acknowledged the use of the OCR technology and assessment system based on Artificial Intelligence (AI) under the Chief Minister Shikshit Rajasthan Abhiyan.
- More than 4 lakh students were brought out of 'learning poverty' with the system.
- There was an annual improvement of 8–10% in learning levels in Rajasthan.
- In the list of PARAKH Reports 2024, the state has been doing better than the national average.
- In the top 10 states in the country, Rajasthan was included.
- The report also included the Padhai with AI programme in Tonk district.
- Increased student achievement in maths and other subjects through the use of this programme.

## Importance for Rajasthan's Education Sector

### Improved Student Well-Being

- The Shala Swasthya Parikshan Abhiyan is a linkage between education and health and nutrition.
- It aids in determining health-related obstacles that could be impacting students' learning.
- Use of technology leads to more systematic monitoring and follow-up.

### Better Learning Outcomes

- The AI-based assessment system facilitates identification of students with learning difficulties.
- It facilitates academic intervention to the target student.
- The enhancement of learning levels demonstrates the part played by technology in reinforcing learning in schools.

### Model for Other States

- Health, education and technology can be combined as has been seen in initiatives in Rajasthan.
- The innovations discussed can be replicated in other States.
- The inclusion of Rajasthan in the list of reform-oriented states by NITI Aayog in school education further enhances the state's image.

## Conclusion

NITI Aayog's mention of Rajasthan in its report is another milestone in the area of School Education. The state's attention to student health and nutrition demonstrates an integrated strategy to student learning improvement and assessment through the use of artificial intelligence. These efforts are important from the perspective of governance in Rajasthan and can be adopted by other states for improving school education quality.

---

## MCOs

1. Who declared that two initiatives of Rajasthan were Good State Practices in school education by NITI Aayog?

- A. Shala Swasthya Parikshan Abhiyan and AI-based assessment system
- B. PM SHRI Schools and Digital India Mission
- C. Mid-Day Meal Scheme and Samagra Shiksha Abhiyan
- D. PARAKH Survey and National Education Policy 2020

Answer: A

Explanation: NITI Aayog identified Shala Swasthya Parikshan Abhiyan of Rajasthan and the AI based assessment system under the Chief Minister Shikshit Rajasthan Abhiyan as Good State Practices. Appreciated for the integration of student health monitoring, nutrition, fitness and assessment of learning using technology in the school education system.

2. In the Shala Swasthya Parikshan Abhiyan of the Government of Rajasthan, over 75 lakh students were tested on how many health parameters?

- A. More than 40
- B. More than 50
- C. More than 60
- D. More than 70

Answer: D

Rajasthan conducted over 75 lakh students at more than 70 health parameters under Shala Swasthya Parikshan Abhiyan. These included vision, hearing ability, nutrition level, dental health and physical fitness. The follow up system was also mobile app based to ensure proper monitoring of students' health.

3. Which district's initiative for enhancing student performance in mathematics and other subjects with the help of Artificial Intelligence was mentioned?

- A. Jaipur
- B. Tonk
- C. Udaipur
- D. Kota

Answer: B

Explanation: The "Padhai with AI" programme of the Tonk district was emphasized as a means to boost students' performance in Mathematics and other subjects. The programme reflects the vision of Rajasthan to incorporate Artificial Intelligence in school education, for enhanced learning outcomes and targeted academic improvement.

## नीति आयोग द्वारा राजस्थान के स्कूली शिक्षा नवाचारों को मान्यता

राजस्थान के स्कूली शिक्षा सुधारों को नीति आयोग की नवीनतम रिपोर्ट "भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली: कालानुक्रमिक विश्लेषण और गुणवत्ता संवर्धन के लिए नीतिगत रूपरेखा" में राष्ट्रीय पहचान मिली है। रिपोर्ट में राजस्थान के शाला स्वास्थ्य परीक्षण अभियान और मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मूल्यांकन प्रणाली को उत्कृष्ट राज्य पद्धतियों के रूप में रेखांकित किया गया है। ये पहले शिक्षा, स्वास्थ्य निगरानी, पोषण, शारीरिक क्षमता और तकनीक को जोड़कर सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने की दिशा में राज्य के प्रयासों को दर्शाती हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान नवाचार आधारित स्कूली शिक्षा सुधारों का एक महत्वपूर्ण मॉडल बनकर उभर रहा है।

### राजस्थान के स्कूली शिक्षा नवाचारों की प्रमुख विशेषताएँ

- नीति आयोग ने राजस्थान के शाला स्वास्थ्य परीक्षण अभियान को उत्कृष्ट राज्य पद्धति के रूप में मान्यता दी है।
- यह पहल विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच, पोषण, शारीरिक क्षमता और नियमित स्वास्थ्य निगरानी पर केंद्रित है।
- 75 लाख से अधिक विद्यार्थियों की 70 से अधिक स्वास्थ्य मानकों पर जांच की गई।
- जांच में दृष्टि, श्रवण क्षमता, पोषण स्तर, दंत स्वास्थ्य और शारीरिक क्षमता को शामिल किया गया।
- बेहतर निगरानी के लिए मोबाइल ऐप आधारित अनुवर्ती प्रणाली भी विकसित की गई।
- यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की उस दृष्टि के अनुरूप है, जिसमें शिक्षा के साथ स्वास्थ्य और पोषण के एकीकरण पर बल दिया गया है।

## मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मूल्यांकन

- नीति आयोग ने मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के अंतर्गत **प्रकाशीय अक्षर पहचान तकनीक** और **कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मूल्यांकन प्रणाली** की भी सराहना की है।
- इस प्रणाली के माध्यम से **4 लाख से अधिक विद्यार्थियों** को “अधिगम गरीबी” से बाहर निकालने में सहायता मिली।
- राजस्थान में अधिगम स्तरों में **8–10%** वार्षिक सुधार दर्ज किया गया।
- राजस्थान परख रिपोर्ट 2024** में राज्य ने राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन किया।
- राजस्थान देश के **शीर्ष 10 राज्यों** में शामिल रहा।
- रिपोर्ट में टोंक जिले के **पढ़ाई विद कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम** का भी उल्लेख किया गया।
- इस कार्यक्रम के माध्यम से गणित और अन्य विषयों में विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार हुआ।

## राजस्थान के शिक्षा क्षेत्र के लिए महत्व

### विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य में सुधार

- शाला स्वास्थ्य परीक्षण अभियान शिक्षा को स्वास्थ्य और पोषण से जोड़ता है।
- यह विद्यार्थियों के अधिगम को प्रभावित करने वाली स्वास्थ्य संबंधी बाधाओं की पहचान करने में सहायता करता है।
- तकनीक के उपयोग से निगरानी और अनुवर्ती कार्य अधिक व्यवस्थित बनते हैं।

### सीखने के परिणामों में सुधार

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मूल्यांकन प्रणाली सीखने में कठिनाई का सामना कर रहे विद्यार्थियों की पहचान में सहायता करती है।
- यह लक्षित शैक्षणिक हस्तक्षेप को मजबूत करती है।
- अधिगम स्तरों में सुधार स्कूली शिक्षा को सुदृढ़ करने में तकनीक की भूमिका को दर्शाता है।

### अन्य राज्यों के लिए मॉडल

- राजस्थान की पहलें दिखाती हैं कि स्वास्थ्य, शिक्षा और तकनीक को प्रभावी रूप से जोड़ा जा सकता है।
- ये नवाचार अन्य राज्यों के लिए अपनाने योग्य मॉडल बन सकते हैं।
- नीति आयोग द्वारा मान्यता मिलने से राजस्थान की छवि स्कूली शिक्षा में सुधारोन्मुख राज्य के रूप में और मजबूत हुई है।

## निष्कर्ष

नीति आयोग की रिपोर्ट में राजस्थान का उल्लेख स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, पोषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मूल्यांकन और अधिगम सुधार पर राज्य का ध्यान शिक्षा सुधार की समग्र दृष्टि को दर्शाता है। ये पहलें राजस्थान के शासन मॉडल के लिए महत्वपूर्ण हैं और स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के इच्छुक अन्य राज्यों के लिए उपयोगी उदाहरण बन सकती हैं।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. नीति आयोग ने राजस्थान की किन दो पहलों को स्कूली शिक्षा में उत्कृष्ट राज्य पद्धतियों के रूप में मान्यता दी?

- A. शाला स्वास्थ्य परीक्षण अभियान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मूल्यांकन प्रणाली
- B. प्रधानमंत्री श्री विद्यालय और डिजिटल इंडिया मिशन
- C. मध्याह्न भोजन योजना और समग्र शिक्षा अभियान
- D. परख सर्वेक्षण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

उत्तर: A

**व्याख्या:** नीति आयोग ने राजस्थान के शाला स्वास्थ्य परीक्षण अभियान और मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मूल्यांकन प्रणाली को उत्कृष्ट राज्य पद्धतियों के रूप में मान्यता दी। इन पहलों की सराहना विद्यार्थियों की स्वास्थ्य निगरानी, पोषण, शारीरिक क्षमता और तकनीक आधारित अधिगम मूल्यांकन को स्कूली शिक्षा प्रणाली से जोड़ने के लिए की गई।

2. राजस्थान के शाला स्वास्थ्य परीक्षण अभियान के अंतर्गत 75 लाख से अधिक विद्यार्थियों की कितने स्वास्थ्य मानकों पर जांच की गई?

- A. 40 से अधिक
- B. 50 से अधिक
- C. 60 से अधिक
- D. 70 से अधिक

उत्तर: D

**व्याख्या:** शाला स्वास्थ्य परीक्षण अभियान के अंतर्गत राजस्थान में 75 लाख से अधिक विद्यार्थियों की 70 से अधिक स्वास्थ्य मानकों पर जांच की गई। इसमें दृष्टि, श्रवण क्षमता, पोषण स्तर, दंत स्वास्थ्य और शारीरिक क्षमता जैसे पहलू शामिल थे। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की बेहतर निगरानी के लिए मोबाइल ऐप आधारित अनुवर्ती प्रणाली भी विकसित की गई।

3. किस जिले के "पढ़ाई विद कृत्रिम बुद्धिमत्ता" कार्यक्रम को गणित और अन्य विषयों में विद्यार्थियों के परिणाम सुधारने के लिए रेखांकित किया गया?

- A. जयपुर
- B. टोंक
- C. उदयपुर
- D. कोटा

उत्तर: B

**व्याख्या:** टोंक जिले के “पढ़ाई विद कृत्रिम बुद्धिमत्ता” कार्यक्रम को गणित और अन्य विषयों में विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार के लिए रेखांकित किया गया। यह कार्यक्रम स्कूली शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के माध्यम से बेहतर अधिगम परिणाम और लक्षित शैक्षणिक सुधार प्राप्त करने की राजस्थान की सोच को दर्शाता है

## Bharat Taxi Service on the Cooperative Model in Jaipur



Bharat Taxi, India's first cooperative taxi service, will soon be getting services in Jaipur. The service will offer to the public a cheap, secure mode of transport, said Rajasthan's Minister of State for Cooperation Gautam Kumar Dak. It will also help taxi driver's economic development referred to as “Saarthis”. The concept behind the service is “Sahkar Se Samriddhi” (cooperation to work for prosperity). Bharat Taxi will, unlike private company supported taxi projects, be the real proprietors of the taxi service.

### Key Features of Bharat Taxi Service

- Bharat Taxi is India's first cooperative based taxi service.
- It will soon start in Jaipur and other cities.

- The service is proposed to start in Jaipur in the first week of June.
- After Delhi, Lucknow, Mumbai and Chandigarh, it has taken a step towards launch.
- It will offer safe and cheap means of transportation to the public.
- Its objective is to raise the economic status and confidence of the taxi drivers.
- Not just service providers, but drivers will be company stakeholders.

## The four core ideas of Bharat taxi are presented.

### Ownership

- The taxi drivers will be the actual owner of the company.
- No outside private person/company will be the majority owners of the business.

### Safety Cover

- The model intends to deliver a more secure and safer working system for drivers.
- It also encourages safer modes of travel for passengers.

### Respect

- The service respects and honours taxi drivers.
- Drivers will be given more of a voice in the system.

### Equal Distribution of Dividend.

- The cooperative approach will enable equitable benefit sharing.
- It seeks to decrease the amount of exploitation and increase the income of drivers.

### Relief for Taxi Drivers

- No account of a driver will be cancelled without a proper hearing.
- Drivers will be spared hidden charges.
- Bharat Taxi is going to provide an alternative to private taxi companies.
- It could contribute to regulate unspecified private company practices.
- Drivers will have freedom from unreasonable subscription charges imposed by private companies.

### Importance for Rajasthan

#### Affordable Urban Transport

- The public will have an affordable mode of transportation by Bharat taxi.
- It can enhance the mobility in the city of Jaipur.

## Driver Empowerment

- The service will make it easier for the drivers to improve their economic situation.
- It will boost their confidence and ownership over the transport system.

## Cooperative Economy

- Bharat Taxi is a practical application of cooperative Institutions in service sectors.
- It will go to indigenous cooperative institutions, so that money does not go out of the country.

## Suggestions from Drivers

The Bharat Taxi dialogue programme at the auditorium of Apex Bank, the taxi drivers shared their experiences and suggestions. They said that they were waiting eagerly for the launch of Bharat Taxi. A lot of drivers reported that they encountered various forms of exploitation and were not earning more money than they anticipated when employed with private companies. They were confident that they will make Rajasthan a role model in terms of the working of Bharat Taxi.

## Conclusion

The launch of Bharat Taxi in Jaipur is a significant development towards cooperative urban transport. Its goal is to offer cheap and secure transport to the citizens and to give ownership, dignity and economic security to taxi drivers. Bharat Taxi can be a good case study of cooperative governance and empowerment of drivers in Rajasthan if it is implemented effectively.

---

## MCOs

- o What will be the key selling point of Bharat Taxi service to be launched in Jaipur?
  - A. It will be operated only by foreign investors.
  - B. It operates on a cooperative basis with an emphasis on real ownership of the cars.
  - C. It will offer just luxury taxi services.
  - D. It will only be applicable to government employees.

Answer: B

Explanation: Bharat Taxi is said to be India's first taxi service on a cooperative basis. The most important aspect of it is that the cabbies, or Saarthis, are not only going to work for the platform, but they are also going to be the owners of the company. The

purpose of this model is to encourage ownership, dignity, and safety for the driver as well as equitable distribution of benefit.

o When Bharat Taxi is going to start in Jaipur, according to the announcement?

- A. Last week of May
- B. Second week of July
- C. First week of August
- D. First week of June

Answer: D

Explanation : The taxi service, Bharat Taxi, will be launched from Jaipur, the first week of June, said Cooperation Minister Gautam Kumar Dak. The service is to be extended following Delhi, Lucknow, Mumbai and Chandigarh. It is expected to offer the public a safe and cost-effective mode of transport and the drivers better economic opportunities when launched in Jaipur.

o Which of the following is not part of Bharat Taxi's four basic ideas, as mentioned in the news?

- A. Foreign investment
- B. Ownership
- C. Safety cover
- D. Equal distribution of dividend

Answer: A

Explanation : Ownership, Safety cover, Respect and equal distribution of dividend are the four core ideas of Bharat Taxi. Foreign investment is not a key concept of the service. Rather, the model will be cooperative ownership, meaning that the taxi drivers will be the actual owners and beneficiaries of the taxi service.

---

## जयपुर में सहकारी मॉडल पर आधारित भारत टैक्सी सेवा

भारत टैक्सी सेवा जल्द ही जयपुर में शुरू की जाएगी। यह भारत की पहली ऐसी टैक्सी सेवा है, जो सहकारी मॉडल पर आधारित है। राजस्थान के सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि यह सेवा आमजन को किफायती और सुरक्षित परिवहन विकल्प उपलब्ध कराएगी। साथ ही, यह टैक्सी चालकों, जिन्हें "सारथी" कहा गया है, की आर्थिक उन्नति में भी सहायक बनेगी। यह सेवा

“सहकार से समृद्धि” की अवधारणा पर आधारित है। निजी कंपनियों पर आधारित टैक्सी सेवाओं से अलग, भारत टैक्सी में स्वयं चालक ही सेवा के वास्तविक स्वामी होंगे।

## भारत टैक्सी सेवा की प्रमुख विशेषताएँ

- भारत टैक्सी सहकारी मॉडल पर आधारित भारत की पहली टैक्सी सेवा है।
- यह सेवा जल्द ही जयपुर और अन्य शहरों में शुरू होगी।
- जयपुर में इस सेवा की शुरुआत जून के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित है।
- दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और चंडीगढ़ के बाद अब जयपुर में इसके शुभारंभ की तैयारी है।
- यह आमजन को किफायती और सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराएगी।
- इसका उद्देश्य टैक्सी चालकों की आर्थिक स्थिति और आत्मविश्वास को बढ़ाना है।
- चालक केवल सेवा प्रदाता नहीं होंगे, बल्कि कंपनी के वास्तविक भागीदार होंगे।

## भारत टैक्सी के चार मूल विचार

### स्वामित्व

- टैक्सी चालक स्वयं कंपनी के वास्तविक स्वामी होंगे।
- कोई बाहरी निजी व्यक्ति या कंपनी स्वामित्व व्यवस्था पर नियंत्रण नहीं रखेगी।

### सुरक्षा कवच

- यह मॉडल चालकों के लिए अधिक सुरक्षित और संरक्षित कार्य प्रणाली उपलब्ध कराने का प्रयास करेगा।
- यह यात्रियों के लिए भी सुरक्षित परिवहन विकल्प को बढ़ावा देगा।

### सम्मान

- यह सेवा टैक्सी चालकों को गरिमा और सम्मान प्रदान करेगी।
- चालकों को व्यवस्था में अधिक भागीदारी मिलेगी।

### लाभांश का समान वितरण

- सहकारी मॉडल लाभों के न्यायसंगत वितरण को बढ़ावा देगा।
- इसका उद्देश्य शोषण को कम करना और चालकों की आय को मजबूत बनाना है।

### टैक्सी चालकों को मिलने वाली राहत

- किसी भी चालक का खाता बिना उचित सुनवाई के बंद नहीं किया जाएगा।
- चालकों को छिपे हुए शुल्कों से राहत मिलेगी।
- भारत टैक्सी निजी टैक्सी कंपनियों का विकल्प उपलब्ध कराएगी।
- इससे निजी कंपनियों की मनमानी पर नियंत्रण लगाने में सहायता मिल सकती है।

- चालकों को निजी कंपनियों द्वारा लगाए जाने वाले अनुचित सदस्यता शुल्कों से भी राहत मिलेगी।

## राजस्थान के लिए महत्व

### किफायती शहरी परिवहन

- भारत टैक्सी आमजन को कम खर्च वाला परिवहन विकल्प उपलब्ध कराएगी।
- यह जयपुर में शहरी आवागमन को मजबूत कर सकती है।

### चालक सशक्तीकरण

- यह सेवा चालकों की आर्थिक स्थिति सुधारने में सहायक होगी।
- इससे परिवहन व्यवस्था में उनका आत्मविश्वास और स्वामित्व भाव बढ़ेगा।

### सहकारी अर्थव्यवस्था

- भारत टैक्सी सेवा क्षेत्र में सहकारी संस्थाओं के व्यावहारिक उपयोग को दर्शाती है।
- यह स्वदेशी सहकारी संस्थाओं द्वारा संचालित होगी, जिससे धन देश में ही रहेगा।

### चालकों के सुझाव

अपेक्स बैंक सभागार में आयोजित भारत टैक्सी संवाद कार्यक्रम में टैक्सी चालकों ने अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। उन्होंने कहा कि वे भारत टैक्सी की शुरुआत का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। कई चालकों ने बताया कि निजी कंपनियों के साथ काम करते हुए उन्हें अलग-अलग प्रकार के शोषण का सामना करना पड़ता है और उनकी आय में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे भारत टैक्सी के संचालन में राजस्थान को एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित करने में पूरी भूमिका निभाएंगे।

### निष्कर्ष

जयपुर में भारत टैक्सी की प्रस्तावित शुरुआत सहकारी आधारित शहरी परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य नागरिकों को किफायती और सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराना तथा टैक्सी चालकों को स्वामित्व, सम्मान और आर्थिक सुरक्षा देना है। यदि इसे प्रभावी रूप से लागू किया गया, तो भारत टैक्सी राजस्थान में सहकारी शासन और चालक सशक्तीकरण का सशक्त उदाहरण बन सकती है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

### 1. जयपुर में प्रस्तावित भारत टैक्सी सेवा की मुख्य विशेषता क्या है?

- A. यह केवल विदेशी निवेशकों द्वारा संचालित होगी।
- B. यह सहकारी मॉडल पर आधारित है, जिसमें चालक वास्तविक स्वामी होंगे।
- C. यह केवल विलासितापूर्ण टैक्सी सेवाएँ उपलब्ध कराएगी।
- D. यह केवल सरकारी कर्मचारियों के लिए काम करेगी।

उत्तर: B

**व्याख्या:** भारत टैक्सी को सहकारी मॉडल पर आधारित भारत की पहली टैक्सी सेवा बताया गया है। इसकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि टैक्सी चालक, जिन्हें सारथी कहा गया है, केवल मंच के लिए काम नहीं करेंगे, बल्कि कंपनी के वास्तविक स्वामी भी होंगे। यह मॉडल चालकों के बीच स्वामित्व, गरिमा, सुरक्षा और लाभों के न्यायसंगत वितरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाया गया है।

2. घोषणा के अनुसार भारत टैक्सी सेवा जयपुर में कब शुरू होना प्रस्तावित है?

- A. मई के अंतिम सप्ताह में
- B. जुलाई के दूसरे सप्ताह में
- C. अगस्त के पहले सप्ताह में
- D. जून के प्रथम सप्ताह में

उत्तर: D

**व्याख्या:** सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि भारत टैक्सी सेवा जयपुर में जून के प्रथम सप्ताह में शुरू होना प्रस्तावित है। यह सेवा दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और चंडीगढ़ के बाद जयपुर में शुरू होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसके शुभारंभ से आमजन को सुरक्षित और किफायती परिवहन विकल्प तथा चालकों को बेहतर आर्थिक अवसर मिलने की संभावना है।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा भारत टैक्सी के चार मूल विचारों में शामिल नहीं है?

- A. विदेशी निवेश
- B. स्वामित्व
- C. सुरक्षा कवच
- D. लाभांश का समान वितरण

उत्तर: A

**व्याख्या:** भारत टैक्सी के चार मूल विचार स्वामित्व, सुरक्षा कवच, सम्मान और लाभांश का समान वितरण हैं। विदेशी निवेश को इस सेवा का मूल विचार नहीं बताया गया है। इसके स्थान पर यह सेवा सहकारी स्वामित्व पर आधारित है, जिसमें टैक्सी चालक स्वयं सेवा के वास्तविक भागीदार और लाभार्थी होंगे।

## Rajeevika and Lakhpati Didi Scheme in Rajasthan.



## Rajeevika and Lakhpati Didi Scheme in Rajasthan.

Gram Vikas Chaupal programme at Churada village, Kushalgarh had drawn the attention of the importance of Rajeevika to empower women and improve their livelihoods in the villages. Chief Minister Bhajanlal Sharma met women linkages with Rajeevika and called it as a role model for the empowerment of women. He said Rajeevika is creating employment as well as ushering in a major social transformation in the rural areas. Women of SHGs are earning by way of organic products, banking services, forest-based products and local enterprises. The programme also highlighted Lakhpati Didi Scheme as a symbol of women's self-reliance.

The key features of the Gram Vikas Chaupal Programme are as follows:

- The programme was organised at Kushalgarh, Churada village in Banswara.
- Chief Minister Bhajanlal Sharma met with women of Rajeevika.
- Rajeevika was termed as a model for women empowerment.
- The Chief Minister added that women from the rural areas are gaining economic empowerment by participating in business ventures worth of lakhs and crores.
- Rajeevika is creating employment opportunity and bringing about a change in the rural society.
- The Chief Minister spent a night in Churada village.
- Cheques were given to women related to SAGs.

## Rajeevika as a tool of empowerment of women.

- Rajeevika is working to empower rural women to make themselves self-reliant through self-help groups.
- The organic-chemical free products are a source of income for women.
- Women linked to banking services are facilitating the access of the villagers to financial services.
- The programme is contributing to the betterment of women's income and confidence and social identity.
- It has motivated women to link up other women with Rajeevika groups.

## Lakhpati Didi scheme and women's self-reliance.

- The Chief Minister called the Lakhpati Didi Scheme as a symbol of self-reliance of women.
- Total of over 22 lakh women have been trained in the Lakhpati Didi Scheme in Rajasthan.
- Out of these, over 17 lakh women are now Lakhpati Didis.
- Women in the areas of Dungarpur and Banswara have also been actively involved in the scheme.
- The scheme is providing better housing conditions for women and enhancing their economic empowerment.

## Welfare Measures for Women and Girls

- The state government is striving to improve the welfare of women, young people, farmers and workers.
- Women are being provided free sonography under the Maa Voucher Yojana.
- Over 13 lakh bicycles and more than 44 thousand scooters have been given to girls.
- The amount of Matru Vandana Yojana has been hiked from ₹5,000 to ₹6,500.
- Saving bond (₹1.5 lakh) is given under the scheme Lado Protsahan Yojana for the birth of a girl child.
- Over one crore women and girls have been provided with free sanitary napkins.

## Directions for Rajeevika Women

- Van Dhan Manager Vidhika requested directions to create a CLF workshop for Rajeevika women in Banswara.
- A packaging unit has been established for Rajeevika products on the request of Cluster Manager Dharmishta Pandya.
- The District Collector was asked to act on these proposals.
- These steps can enhance the value of products for rural women, and improve their packaging and market access.

## Experiences Shared by Rajeevika Women

### Gunvati Ninama

- She produces organic and chemical free products.
- She earns around ₹15,000 to ₹20,000 per month.
- Rajeevika enabled her to take her next steps.

### Nirmala

- She is a Business Correspondent Sakhi.
- She has been able to deal with transactions exceeding ₹15 lakh after her training.
- She earns around ₹15,000 per month.
- People no longer have to queue up outside banks in her area.

### Vidhika

- She sells handmade organic products to the villages and cities.
- Her monthly income is around ₹25,000 to ₹30,000.
- She has earned money to build a house.

### Dharmishta Pandya

- Rajeevika was given a new name by her.
- Now people know her as Lakhpati Didi.
- Her cluster is associated with 8,200 women.

### Sarla Baria

- She assists women to open bank accounts and assist with loans.
- She has assisted over a span of 280 women to avail loans.
- Her monthly income is around ₹10,000 to ₹15,000.

### The condition of cultural and tribal significance:

- Chief Minister was welcomed by the local artists with the traditional folk dance of the tribal region.
- He was greeted with an Adivasi jacket and bow and arrow.
- The Chief Minister stated that the tribal communities have maintained the glorious culture of Rajasthan.
- It was stated that tribal villages and hamlets development is a priority.

## Conclusion

Rajeevika was highlighted as an important model of rural women empowerment in Gram Vikas Chaupal programme in Banswara. Financial inclusion, organic products, skill and livelihood development through self-help groups are helping women become more confident, with greater identity and income. The Lakhpati Didi scheme,

CLF workshop and packaging unit can further boost the rural entrepreneurship of the women in Rajasthan.

---

### MCOs

1. Why was Rajeevika called a role model of Gram Vikas Chaupal programme?

- A. Since it only attends to urban jobs
- B. It has positive impact on women empowerment, livelihood and social transformation in the rural areas,
- C. As it offers women only free education
- D. This is only applicable to the tribal men in rural areas,

Answer: B

Explanation: Rajeevika is helping the women of rural areas to become financially empowered through self help groups and livelihood activities – hence it was called a role model. Organic products, banking services, forest based products and local enterprises are the means by which women in the village of Rajeevika are earning a living. It not only provides jobs, but also social change in rural areas.

2. Based on the programme details how many women have been trained under Lakhpati Didi Scheme in Rajasthan?

- A. More than 10 lakh women
- C. 13 lakh women or more than 13 lakh lakh of women.
- C. More than 17 lakh women
- D. over 22 lakh female students

Answer: D

Explanation: The number of women trained under the Lakhpati Didi Scheme in Rajasthan is over 22 lakh. Out of them, more than 17 lakh women have become Lakhpati Didis. The scheme was called as a symbol of women's self-reliance as it is contributing to women's empowerment through livelihood-based empowerment, empowering them to improve their income, confidence and living standard.

3. How did the women of Banswara, Rajeevika, get directions in the programme?

- A. To shut down all self-help groups in the district
- B. To expand Rajeevika services only to urban areas
- C. To set up a CLF workshop and packaging unit for Rajeevika products
- D. To replace women's groups with private companies

Answer: C

Explanation: During the programme, directions have been issued to establish a CLF workshop for Rajeevika women in Banswara and a packaging unit for their products. The directions come in response to queries received by women linked to Rajeevika. These facilities can contribute to product packaging, market access and increasing the income of rural women.

## राजस्थान में राजीविका और लखपति दीदी योजना

बांसवाड़ा के कुशलगढ़ स्थित चुड़ादा गांव में आयोजित ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण और आजीविका संवर्धन में राजीविका की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजीविका से जुड़ी महिलाओं से संवाद किया और इसे महिला सशक्तीकरण का रोल मॉडल बताया। उन्होंने कहा कि राजीविका रोजगार सृजन के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ा सामाजिक बदलाव भी ला रही है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं जैविक उत्पादों, बैंकिंग सेवाओं, वन आधारित उत्पादों और स्थानीय उद्यमों के माध्यम से आय अर्जित कर रही हैं। कार्यक्रम में लखपति दीदी योजना को महिलाओं की आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया गया।

### ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएँ

- कार्यक्रम बांसवाड़ा के कुशलगढ़ स्थित चुड़ादा गांव में आयोजित हुआ।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजीविका से जुड़ी महिलाओं से संवाद किया।
- राजीविका को महिला सशक्तीकरण का मॉडल बताया गया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण महिलाएं लाखों और करोड़ों रुपये के कारोबार से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।
- राजीविका ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा कर रही है और सामाजिक बदलाव ला रही है।
- मुख्यमंत्री ने चुड़ादा गांव में रात्रि विश्राम किया।
- स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को चेक भी सौंपे गए।

### महिला सशक्तीकरण का साधन राजीविका

- राजीविका स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है।
- महिलाएं जैविक और रसायन मुक्त उत्पादों से आय अर्जित कर रही हैं।
- बैंकिंग सेवाओं से जुड़ी महिलाएं ग्रामीणों को वित्तीय सेवाओं तक पहुंच उपलब्ध करा रही हैं।

- यह कार्यक्रम महिलाओं की आय, आत्मविश्वास और सामाजिक पहचान को मजबूत कर रहा है।
- यह महिलाओं को अन्य महिलाओं को भी राजीविका समूहों से जोड़ने के लिए प्रेरित कर रहा है।

## लखपति दीदी योजना और महिलाओं की आत्मनिर्भरता

- मुख्यमंत्री ने लखपति दीदी योजना को महिलाओं की आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया।
- राजस्थान में 22 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया गया है।
- इनमें से 17 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।
- डूंगरपुर और बांसवाड़ा की महिलाओं ने भी इस योजना में सक्रिय भागीदारी की है।
- यह योजना महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार कर रही है और उनकी आर्थिक स्वतंत्रता को मजबूत कर रही है।

## महिलाओं और बालिकाओं के लिए कल्याणकारी उपाय

- राज्य सरकार महिला, युवा, किसान और मजदूर के उत्थान के लिए कार्य कर रही है।
- मां वाउचर योजना के अंतर्गत महिलाओं को निशुल्क सोनोग्राफी सुविधा दी जा रही है।
- बालिकाओं को 13 लाख से अधिक साइकिलें और 44 हजार से अधिक स्कूटियां वितरित की गई हैं।
- मातृ वंदन योजना की राशि ₹5,000 से बढ़ाकर ₹6,500 की गई है।
- लाडो प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत बालिका के जन्म पर ₹1.5 लाख का सेविंग बॉण्ड दिया जाता है।
- 1 करोड़ से अधिक महिलाओं और बालिकाओं को निशुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरित किए गए हैं।

## राजीविका महिलाओं के लिए निर्देश

- वन धन प्रबंधक विधिका के आग्रह पर बांसवाड़ा में राजीविका महिलाओं के लिए क्लस्टर स्तरीय महासंघ कार्यशाला स्थापित करने के निर्देश दिए गए।
- क्लस्टर प्रबंधक धर्मिष्ठा पंड्या के अनुरोध पर राजीविका उत्पादों के लिए पैकेजिंग इकाई स्थापित करने के निर्देश दिए गए।
- जिला कलेक्टर को इन प्रस्तावों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।
- इन कदमों से ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों का मूल्य, पैकेजिंग गुणवत्ता और बाजार तक पहुंच बेहतर हो सकती है।

## राजीविका महिलाओं द्वारा साझा किए गए अनुभव

### गुणवती निनामा

- वे जैविक और रसायन मुक्त उत्पाद बनाती हैं।
- उनकी मासिक आय लगभग ₹15,000 से ₹20,000 है।
- राजीविका ने उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया।

### निर्मला

- वे व्यवसाय संवाददाता सखी के रूप में कार्य करती हैं।
- प्रशिक्षण के बाद वे ₹15 लाख से अधिक का लेन-देन कर रही हैं।
- उनकी मासिक आय लगभग ₹15,000 है।
- उनके क्षेत्र के लोगों को अब बैंक की लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं है।

### विधिका

- वे गांवों और शहरों में हाथों से बने जैविक उत्पाद बेचती हैं।
- उनकी मासिक आय लगभग ₹25,000 से ₹30,000 है।
- उन्होंने अपनी कमाई से मकान का निर्माण कराया है।

### धर्मिष्ठा पंड्या

- राजीविका ने उन्हें नई पहचान दी है।
- लोग अब उन्हें लखपति दीदी के नाम से जानते हैं।
- उनके क्लस्टर से 8,200 महिलाएं जुड़ी हुई हैं।

### सरला बारिया

- वे महिलाओं के बैंक खाते खोलवाने और ऋण दिलवाने में सहायता करती हैं।
- वे 280 से अधिक महिलाओं को ऋण दिलवा चुकी हैं।
- उनकी मासिक आय लगभग ₹10,000 से ₹15,000 है।

### सांस्कृतिक और जनजातीय महत्व

- स्थानीय कलाकारों ने मुख्यमंत्री का स्वागत जनजातीय क्षेत्र के पारंपरिक लोक नृत्य से किया।
- मुख्यमंत्री का आदिवासी बंडी और तीर-कमान भेंटकर अभिनंदन किया गया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समुदायों ने राजस्थान की गौरवशाली संस्कृति को संजोए रखा है।
- जनजातीय गांवों और ढाणियों का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता बताया गया।

## निष्कर्ष

बांसवाड़ा में आयोजित ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में राजीविका को ग्रामीण महिला सशक्तीकरण के एक महत्वपूर्ण मॉडल के रूप में रेखांकित किया गया। स्वयं सहायता समूहों, वित्तीय समावेशन, जैविक उत्पादों, कौशल विकास और आजीविका संवर्धन के माध्यम से महिलाएं आय, पहचान और आत्मविश्वास प्राप्त कर रही हैं। लखपति दीदी योजना, क्लस्टर स्तरीय महासंघ कार्यशाला और पैकेजिंग इकाई राजस्थान में महिलाओं के नेतृत्व वाले ग्रामीण उद्यमों को और मजबूत कर सकती हैं।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में राजीविका को रोल मॉडल क्यों बताया गया?

- A. क्योंकि यह केवल शहरी रोजगार पर ध्यान देती है।
- B. क्योंकि यह ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण, आजीविका और सामाजिक बदलाव को बढ़ावा देती है।
- C. क्योंकि यह महिलाओं को केवल निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराती है।
- D. क्योंकि यह केवल ग्रामीण क्षेत्रों के जनजातीय पुरुषों के लिए कार्य करती है।

उत्तर: B

व्याख्या: राजीविका को रोल मॉडल इसलिए बताया गया क्योंकि यह स्वयं सहायता समूहों और आजीविका गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। राजीविका से जुड़ी महिलाएं जैविक उत्पादों, बैंकिंग सेवाओं, वन आधारित उत्पादों और स्थानीय उद्यमों के माध्यम से आय अर्जित कर रही हैं। यह केवल रोजगार ही नहीं दे रही, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक बदलाव भी ला रही है।

2. कार्यक्रम के विवरण के अनुसार राजस्थान में लखपति दीदी योजना के अंतर्गत कितनी महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है?

- A. 10 लाख से अधिक महिलाएं
- B. 13 लाख से अधिक महिलाएं
- C. 17 लाख से अधिक महिलाएं
- D. 22 लाख से अधिक महिलाएं

उत्तर: D

व्याख्या: राजस्थान में लखपति दीदी योजना के अंतर्गत 22 लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। इनमें से 17 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। इस योजना को महिलाओं की आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया गया, क्योंकि यह आजीविका आधारित सशक्तीकरण के माध्यम से महिलाओं की आय, आत्मविश्वास और जीवन स्तर को बेहतर बना रही है।

3. कार्यक्रम के दौरान बांसवाड़ा में राजीविका महिलाओं के लिए कौन-से निर्देश दिए गए?

- A. जिले के सभी स्वयं सहायता समूहों को बंद करने के लिए
- B. राजीविका गतिविधियों को केवल शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित करने के लिए
- C. राजीविका उत्पादों के लिए क्लस्टर स्तरीय महासंघ कार्यशाला और पैकेजिंग इकाई स्थापित करने के लिए
- D. महिला समूहों को निजी कंपनियों से बदलने के लिए

उत्तर: C

व्याख्या: कार्यक्रम के दौरान बांसवाड़ा में राजीविका महिलाओं के लिए क्लस्टर स्तरीय महासंघ कार्यशाला स्थापित करने और उनके उत्पादों के लिए पैकेजिंग इकाई लगाने के निर्देश दिए गए। ये निर्देश राजीविका से जुड़ी महिलाओं के आग्रह पर दिए गए। ऐसी सुविधाएं उत्पादों की पैकेजिंग, बाजार तक पहुंच और ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने में सहायक हो सकती हैं।

RASonly